पाठ 9. दो गौरैयाँ

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में तनाव से निपटने का कौशल विकसित करना है ताकि उनमें अपनी तथा दूसरों की भावनाओं के प्रति समझ पैदा हो सके। यह कहानी उन दो गौरैयों के इर्द-गिर्द घूमती है जिन्होंने लेखक के घर में घुसकर ज़बरन अपना घर बसा लिया है। इस अनधिकार चेष्टा का विरोध करते-करते लेखक के पिता उस समय ठिठक जाते हैं जब उन गौरैयों के दो नन्हे बच्चों पर उनकी दृष्टि जाती है। वात्सल्य प्रेम को दर्शाती इस कहानी का अंत मार्मिक ही नहीं सुखद भी है।

पाठ का सार

लेखक के घर के आँगन में आम का एक पेड़ है। इस पर दूर-दूर से पक्षी आकर बैठते हैं, चहचहाते हैं और उड़ जाते हैं। यहाँ तक तो सब ठीक था। परेशानी शुरू हुई तब, जब दो गौरैयों ने लेखक के घर में पंखे के ऊपर के कवर में तिनके जमाकर अपनी गृहस्थी बसानी शुरू कर दी। लेखक के पिता ने तरह-तरह से कोशिश की कि घर में कूड़ा और शोर फैलाने वाली इन चिड़ियों से छुट्टी पा ली जाए। आखिर उन्होंने और उनकी लाठी ने हार मान ली। इस हार को मानने के पीछे कारण था उस घोंसले को तोड़ने की कोशिश में उसमें जन्मी नवजात गौरैयाँ। उन नवजात गौरैयों को चहचहाता देख लेखक के पिता के हृदय में भी वात्सल्य प्रेम की भावना उमड़ पड़ी। इस प्रेम ने लेखक के पिता के चेहरे पर मुसकान भी बिखेर दी।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'रक्षा में हत्या' और इसी प्रकार की दूसरी रचनाएँ कक्षा में चर्चा का विषय बनाकर इस कहानी के बारे में संक्षेप में जानकारी दी जा सकती है।

  वातावरण बनाए जाने के बाद कहानी का पठन-वाचन हो तो कहानी की बातें महसूस करना-कराना सहज बन पड़ेगा।

  शब्दों के अर्थ बीच-बीच में मौखिक-लिखित रूप में दिए जा सकते हैं।

  कुछ अंश, जिन पर चर्चा ज़रूरी लगे, उनपर चर्चा के साथ-साथ कहानी को संपन्न कराया जा सकता है।

  पक्षी जगत पर बच्चों के द्वारा दूसरे स्रोतों (डिस्कवरी व दूसरे कार्यक्रमों) से प्राप्त जानकारी की औपचारिक-अनौपचारिक चर्चा की जा सकती है। कहानी के अंत में पक्षियों के वात्सल्य प्रेम को मनुष्य-जगत् के वात्सल्य प्रेम से जोड़कर उसके बारे में चर्चा की जा सकती है।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 93** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - समानार्थी शब्दों के बारे में उदाहरण सहित बताएँ।
  - एकवचन से बहुवचन बनाने के लिए समझाएँ।
  - क्रिया और क्रिया के काल की परिभाषा बताते हुए अभ्यास कराएँ।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - ❖ पक्षियों से संबंधित जानकारी जुटाने में बच्चों की मदद करें।
  - ❖ बच्चों को बताएँ कि शुतुरमुर्ग धरती पर रह रहे पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी है। यह पक्षी उड़ नहीं सकता। हाँ, तेज़ दौड़ लगा सकता है।